By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-3

Topic - Voting Behaviour

Class - B.A. Degree - II (Hons., Paper - III)
Unit-9

Subject - Political Science

Date - 16 May, 2020

By Rahul Kumar Jha.

मतदान व्यवहार (Voting Behaviour) :-

चुनावों से राजनीतिक दलों द्वारा संवैधानिक प्रक्रिया को भी ठीक किया जाता है। इसके लिए आवश्यक है निर्धनों को जागृत करना, राजनीतिक रूप से उन्हें सचेत बनाना तथा उस दुराचारी चक्र को तोड़ना जिसके द्वारा चुनाव राजनीतिक ठेकेदारों, सामन्तों तथा बड़े-बड़े पूँजीपतियों के मत बैंकों के बंदी बन जाते हैं।

इस संबंध में यदि भारत में कुछ भिन्न चुनाव परिणामों का अध्ययन सामाजिक-आर्थिक विकास प्रक्रिया की दृष्टि से किया जाए तो हम पायेंगे कि राजनीतिक गतिमानता बढ़ रही है।

तथा विशेष रूप से ग्रामीण भारत में जन सशक्तिकरण के राजनीतिकरण का कार्य आरंभ हो चुका है। साक्षरता की दर तथा सामाजिक संरचना की सीमाओं के बावजूद के बावजूद लोगों की राजनीतिक चेतना अत्यधिक ऊंची है।

प्रथम तीन चुनावों में अर्थात 1951-52 से 1962 के चुनावों में, भिन्न ऐतिहासिक तथा वातावरण संबंधी कारणों के अतिरिक्त जिन्होंने कांग्रेस प्रभुत्व को स्थापित किया था, एक महत्वपूर्ण कारक जिसने कांग्रेस की सफलता में सहायता की थी वह थी उनके द्वारा दिये गए वचन। यह वचन कांग्रेस ने कृषकों तथा श्रमिकों, बेरोजगार व्यक्तियों तथा कम रोजगार प्राप्त व्यक्तियों, कारीगरों तथा मध्यम वर्गों को दिये थे कि विदेशी शासन से मुक्ति उनके सब कष्ट दूर देगी तथा उनकी सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। जनता से कांग्रेस

को प्राप्त समर्थन बहुत हद तक इन वचनों पर आधारित था जिन्होंने उनके मन में उज्वल भावीय अस्तित्व की आशाएं जगा दी थी।

परंतु व्यवहार में लोगों की स्थिति सुधारने हेतु कांग्रेस सरकार द्वारा अपनाई गई कार्यशैली ने भारत में राजकीय पूँजीवाद की स्थापना कर दी। परिणामस्वरूप दूसरी पंचवर्षीय योजना को कार्यरूप देने के एक वर्ष में ही तनाव ऊपर उभरने लगे। लोगों की बढ़ती हुई निराशा राजनीतिक क्षेत्र में दिखाई देने लगी जिसका दृष्टिगोचर 1967 में हुए चौथे आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी के विरुद्ध विद्रोह में हुआ। इसमें संदेह नहीं कि 1967 के चुनावों में प्रभुत्वकारी वर्गों के गठबंधन में भी परिवर्तन हुआ था, परंतु कांग्रेस के विरुद्ध विद्रोह के पीछे मुख्य भावना यह थी कि आम आदमी के जीवन को प्रभावित करने वाली समस्याओं को कांग्रेस सुलझाने में असफल रही थी।